

M.A. (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

June, 2015

**MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL
DEVELOPMENT**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

- Note :** (i) *Attempt all the five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question numbers 1 and 2 should not exceed 800 words each.*

1. Critically examine the impact of abolition of intermediaries between the cultivator and the state in India. 20

OR

What is the need for Land reforms in a developing society ? What are the problems faced by developing nations in the implementation of Land reforms ? 20

2. What do you mean by land revenue administration ? Discuss in brief the land revenue administration in the medieval India. 20

OR

Describe important features of land reforms in Bangladesh. 20

3. Answer **any two** of the following questions in about **400** words each :
- (a) Discuss the role of Panchayati Raj Institutions in development and land reforms. **10**
 - (b) Describe important features of the Pardi Ghasia Satyagraha. **10**
 - (c) Discuss the contributions of Indian National Congress in bringing about land reforms. **10**
4. Answer **any four** of the following in about **200** words each :
- (a) Land tenure system during the Mauryan period **5**
 - (b) Gramdan Movement **5**
 - (c) Computerisation of land records **5**
 - (d) Constitutional provisions related to land reforms **5**
 - (e) Impact of Land reforms on rural power structure in India **5**
 - (f) Voluntary Land Transfer Scheme in Philippines **5**
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Pabna Movement **4**
 - (b) Consolidation of Holdings **4**
 - (c) Bardoli Peasant Movement of 1921 **4**
 - (d) Dominant Castes **4**
 - (e) National Resettlement and Rehabilitation Policy (NRRP), 2003 **4**
 - (f) Land ownership rights as per Manusmriti **4**
 - (g) Village Community **4**
 - (h) Todar Mal's Land revenue system **4**

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. भारत में राज्य और खेतिहरों के मध्यस्थ/बिचौलियों की समाप्ति 20
के प्रभाव की समीक्षात्मक जाँच कीजिए।

अथवा

- विकासशील समाज में भूमि सुधार की क्या आवश्यकता है? 20
विकासशील देशों में भूमि सुधार को लागू करने में कौन-सी
समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

2. भू-राजस्व प्रशासन से आपका क्या अर्थ है? मध्यकालीन भारत 20
में भू-राजस्व प्रशासन का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

अथवा

- बांग्लादेश में भूमि सुधारों की महत्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन 20
कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **400** शब्दों में दीजिए :
- (a) विकास और भूमि सुधारों में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10
- (b) पारदी घासिया सत्याग्रह की महत्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10
- (c) भूमि सुधार करवाने में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के योगदान की विवेचना कीजिए। 10
4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **200** शब्दों में दीजिए :
- (a) मौर्य काल में भूधृति प्रणाली 5
- (b) ग्रामदान आंदोलन 5
- (c) भू-अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण 5
- (d) भूमि सुधारों से जुड़े संवैधानिक प्रावधान 5
- (e) भारत में ग्रामीण सत्ता संरचना पर भूमि सुधारों का प्रभाव 5
- (f) फिलीपींस में स्वैच्छिक भूमि हस्तांतरण योजना 5
5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक) लगभग **100** शब्दों में लिखिए :
- (a) पाबना आंदोलन 4
- (b) भू-जोतों की चकबंदी 4
- (c) बारदोली किसान आंदोलन, 1921 4
- (d) प्रभुत्व संपन्न जातियाँ 4
- (e) राष्ट्रीय पुनर्व्यवस्थापन एवं पुनर्वास नीति, (एन.आर.आर.पी.), 2003 4
- (f) मनुस्मृति के अनुसार भू-स्वामित्व अधिकार 4
- (g) ग्राम समुदाय 4
- (h) टोडरमल की भू-राजस्व प्रणाली 4